



## संक्षेप

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ

अश्लील फोटो और वीडियो अपलोड करने की रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर

लखनऊ।

सरोजनीनगर इलाके में रेसे वाले एक युवक ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बहनों की अश्लील फोटो और वीडियो उसकी मां के मोबाइल नंबर पर अपलोड करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित युवक का कहना है कि आरोपी प्रतिदिन उनकी रील और वीडियो स्ट्रीट्स पर लगाता है।

**33केवी लाइन से तार चोरी करने वाले अज्ञात चोरों पर मुकदमा दर्ज**

मोहनलालगंज मोहनलालगंज क्षेत्र के पुरुषोंनी गांव की नहर से होते हुये समझी चिह्नित उपकरण जाने वाली 33केवी पोंपक लाइन आठ सेण का तार व एक पोल का क्रांत आर्म काटकर बैंकोफ चोर बीती दस जनवरी की देर रात चोरी कर ले गये थे जिसके बाद 33केवी फोटो की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी थी। समेते उपकरण के जेई आशीष कुमार ने मालवाल का पुलिस को तहरीक देकर अज्ञात चोरों पर कार्रवाही की मांग की है। हायेकर आलोक राम ने बताया जेडे के द्वारा दी गयी तरीर पर अज्ञात चोरों पर मुकदमा दर्ज कर रखा था।

**कपूरी ठाकुर की जयन्ती पर श्रद्धा सुमन अर्पित**

लखनऊ, कपूरी ठाकुर की जयन्ती पर श्रद्धा सुमन अर्पित जतना एस के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह के साथ मनोज शुक्रल ऐलेंट सिरह एडवोकेट राजू रिंग घरेलू प्रदीप कौरोजाया संजीव मिश्र ने गोमती नगर लखनऊ में सोशलिटी लीडर जन नायक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कपूरी ठाकुर जी को लगाकर नोन ओवेन बैग/थैला फैक्ट्री

# दबंगो ने खिलाड़ियों की पिटाई कर छीनी नगदी व ट्राफी, कार भी तोड़ी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ नगरम थाना क्षेत्र के एक गांव से फ़ाइल मैच जीत कर कार से निगोहां-लौट रहे खिलाड़ियों पर गुरुर है। पीड़ित युवक का कहना है कि आरोपी प्रतिदिन उनकी रील और वीडियो स्ट्रीट्स पर लगाता है।

जानकारी होने के बाद इसकी सच्चाई साड़बर सेल की दी गई। इसके बाद सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने का कारण है कि आरोपी प्रतिदिन उनकी रील और वीडियो स्ट्रीट्स पर लगाता है।

33केवी लाइन से तार चोरी करने वाले अज्ञात चोरों पर मुकदमा दर्ज

बैग बनवाने वाली फैक्टरी में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अज्ञात कारों के चलते कड़े के बैग बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक लगी आग जिससे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक मरीजों समेत लाखों का सामान जलकर राख हो गया था। माल थाना क्षेत्र के ग्राम आदमपुर निवासी सुरेश की उसी गांव में नोन ओवेन बैग फैक्ट्री है। इसमें कई प्रकार के कपड़े के थैले बैग प्रिंटेड बैग बनाए जाते हैं। बुधवार दोपहर को अचानक फैक्ट्री में आग लग गई। इससे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। आनन फानन पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। सचना पर पहुंचे पायर ब्रिगेड की गांव ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन फैक्ट्री में लाखों आग ने चिकित्सकों के बाहर राख रखा है। आग ने चिकित्सकों के बाहर राख रखा है। इस संबंध में जलकर राख हो गया। इस संबंध में रखा तीस लाख रुपये लिया था जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक रखा तीस लाख रुपये का कच्चा माल व लगी मरीज जलकर राख हो चुकी थी। पीड़ित सुरेश ने बताया कि आग लगाने का कारण स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृश्य शृंखला लेकर और स्वयं भौमिका के बैंक से लगाकर नोन ओवेन बैग/थैला फैक्ट्री

पीएम ईंटी पी स्कीम के तहत पच्चीस लाख रुपये का बैंक से लोन लेकर लगाई थी। जिससे कार्य चल रहा है। अचानक बुधवार को आज्ञात कारों के चलते फैक्ट्री में आग लग गई। इससे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। आनन फानन पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। सचना पर पहुंचे पायर ब्रिगेड की गांव ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन फैक्ट्री में लाखों आग ने चिकित्सकों के बाहर राख रखा है। आग ने चिकित्सकों के बाहर राख रखा है। इस संबंध में जलकर राख हो गया। इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आग लगाने का कारण स्पष्ट नहीं है। प्रथम दृश्य शृंखला लेकर और स्वयं भौमिका के बैंक से लगाकर नोन ओवेन बैग/थैला फैक्ट्री

## खेत में पानी लगा रहे किसान की धारदार हथियार से हत्या, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

हिरासत में लेकर प्रश्नाली जी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।

सड़क

किनारे पाइप

विद्युत



## चिंतन

वैश्वक भरोसे से लगेंगे  
अर्थव्यवस्था को पंख

वि

श्रव के आर्थिक दिग्गजों के विष्टज़र्लैंड के दबोस में चल रहे पांच दिवसीय महाकुंभ का समाप्त वैश्वक नेताओं से विश्वास की अपील की अपील की साथ हो गया। विश्व की वर्तमान में आर्थिक स्थिति है, उसमें विश्वास बहाली की बहुत अधिक आवश्यकता है, लेकिन केवल अपील भर से बात नहीं बनेगी। वैश्वक अर्थव्यवस्था को गति तभी मिलेगी, जब वैश्वक निवेश बढ़ेंगे। दो दो जंग जारी हैं, कई स्तर पर क्षेत्रीय संघर्ष चल रहे हैं, कई छोटे मुल्क चीनी दहशत में हैं, अमेरिका, चीन व रूस के अपनी ताक कम नहीं हो रहे हैं, इसने सीरिया, इराक व पाक में नया मोर्चा खोला दिया है, तो आपकी गुरु हुती विदेही अब सारग व अन्दर की खाड़ी में नया खाता बन कर उभरा है, उत्तर कोरिया की हाफ्कों से दक्षिण कोरिया व जापान कोरों में है, चीन के रडार पर ताइवान व फिलिपीन्स हैं, अनेकों छोटे देशों की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती रही है, ऐसी विकास परिस्थिति में नए निवेश की गहर बाधित हो रही है। लोगोंल स्तर पर अमेरिका, यूरोप, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, सउदी अब जैसे देश बड़े निवेशक हैं, लेकिन युद्ध, संघर्ष के चलते नए निवेश ये मुल्क कर नहीं पा रहे हैं। अमेरिका का पूरा ध्वन झूकेन व इजराइल की मदद पर है और ईरान को घेरने पर है। संभवतः अमेरिका हाथीयों की आपूर्ति कर व रक्षा सामग्री के नियांते से अपनी सुलू पटी अर्थव्यवस्था को गति देने की कोशिश कर रहा है, अमर ऐसा है तो यह यूएस का बहुत ही छोटा तरका है। अमेरिका वैश्वक अर्थव्यवस्था को गति देने का सकता है। ट्रॉप काल से पहले तक अमेरिका वैश्वक अर्थव्यवस्था को इंजन बना हुआ था, दक्षिण ट्रॉप के संरक्षणात्मक के बलते अमेरिका खुद भी सिकुड़ा व उसकी इंजन की कोशिश की गयी है। इसका वैश्वक भी अमेरिका का खण्डन नहीं ले सकता है, इसका कारण यह कि चीन की अपनी अर्थव्यवस्था भी सुनी का समान कर रही है, दूसरी वह जिसकी भी मदद करता है, उसके बड़ा कर्जदार बना लेता है, इसमें वैश्वक तरकी को गति नहीं मिलती है। तो सीरी अहम बात कि, वह न ही भरोसेमं है, न दूसरे मुल्क के प्रति उदाहृत है और न ही वह विस्तारवाद की भावाना से मुक्त है। सींगा विवाद व अन्य विवाद उत्तर कर दूर्योग के क्षेत्र को हड़पने की सोच व नीति के चलते चीन भवलाकाश के बावजूद विश्व को नेतृत्व नहीं दे पा रहा है, केवल अमेरिका वैश्वी लॉबी तक सीमित होकर रह गया है। ऐसे में विश्व आर्थिक योग्यता के बोर्ड विश्वक भरोसे को एकली कर रहा है, उसके कायम होने की सुधा दिख रही है। विश्व आर्थिक मंड (डब्ल्यूएफ) की वैश्वक बैठक के अधिकारी दिन शुक्रवार को वैश्वक नेताओं से विश्वास बहाली के अलावा योग्यता के अर्थव्यवस्था में नहीं जान डालने और आपका सूचना, समाज में ध्वीकरण, जलवायु परिवर्तन एवं संर्थकों के जोखिमों से निपन्दे के लिए प्रिलकर काम करन का आहारन किया गया है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है।



- प्रो. संजय द्विवेदी

हिन्दी वैनिक अमन लेखनी लखनऊ



समाधान सर्वजनहिताय तो था ही।

अयोध्या में 22 जनवरी, 2024 को रामलला विवाह और अर्थव्यवस्था को गति नहीं मिलती है।

कभी ज्रेता में वनवास गए राम कलयुग में भी एक दूसरी दुविधा के साथ था। आज दिनुस्तान में भी आर भार के इस सबसे लायक बेटे के लिए मिलती है। बाबर के इस तरह देखना विवल है। पर शहर सालों से समान्ते में था, गहरी उदासी और गहरे अवसराद में ढूमा, शात और उत्साह।

जैसे इतिहास और समय एक जगह ठर गया हो और उसने आगे न बढ़ने की ठान रख रही है। दूसरी अर्थव्यवस्था में विश्व आर्थिक योग्यता को घेरने की अपील कर रहा है, उसके कायम होने की सुधा दिख रही है। विश्व आर्थिक मंड (डब्ल्यूएफ) की वैश्वक बैठक के अधिकारी दिन शुक्रवार को वैश्वक नेताओं से विश्वास बहाली के अलावा योग्यता के अर्थव्यवस्था में नहीं जान डालने और आपका सूचना, समाज में ध्वीकरण, जलवायु परिवर्तन एवं संर्थकों के जोखिमों से निपन्दे के लिए प्रिलकर काम करन का आहारन किया गया है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस्तित्ववाद और सहयोगात्मक आर्थिक दृष्टिकोण की है, भारत इसी मूल्यों को कहां में रखकर आर्थिक तरकी कर रहा है। युद्ध, उत्तरपथ व अनिश्चयता से निकलने का मार्ग भी यही है, विश्व इस राह पर चल, तभी डब्ल्यूएफ जैसी बैठक की सारकता है। वैश्वक स्तर पर बहुत तापमान, नाजुक अर्थव्यवस्था और सीमाओं से परे की सुरक्षा चर्नातियों से पता चलता है कि किसी युक्त का अकेले आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। इन चर्नातियों की बजह से विश्व की बहाली बहेद अमर हो जाती है, जिसके उम्मीद निकर भविष्य में नहीं दिख रही है। वैश्वक अर्थव्यवस्था तंत्र वित्तीय स्थिरता, भू-राजनीतिक अवधारणा और जेनरेटिव इंस्टिशियल इंटीलिंग्स (एआई) में तेजी से प्रगति के संभावित खतरों से ज़्यादा रही है। आज जल्दत सम्पर्कों, सहअस







